IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 5, Issue 8, June 2025
Impact Factor: 7.67

कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालयों में अध्ययनरत बालिकाओं की आवासीय समस्याओं का मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव का अध्ययन

रेशमा खानम

शोधार्थी, वनस्थली विद्यापीठ, राजस्थान

डॉ. मीना सिरोला

एसोसिएट प्रोफेसर, वनस्थली विद्यापीठ, राजस्थान

Reshmakhan151218@gmail.com and meenasirola@banasthali.in

सार–सही मार्गदर्शन के अभाव में विद्यार्थी अपने आप को भटकाव की स्थिति में पाता है और सफलता का सामना न कर पाने से हिनता व कुण्ठाग्रस्त होने के कारण गलत रास्तों की ओर अग्रसित हो जाता है इस भटकाव का प्रमुख कारण बढ़ती जनसंख्या, रोजगार के घटते अवसर, आर्थिक व सामाजिक परिस्थितियॉ तथा विभिन्न व्यवसाय के प्रति अनुकरणीय है। स्वयं की योग्यताओं व क्षमताओं की सही पहचान किये बिना केवल आकर्षक वेतन व प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रवेश हेतु सही विषय का चयन नही कर पाते हैं परिणामतः उनका भविष्य अनिश्चित एवं निराशा के भंवर जाल में उलझकर रह जाता है। युवा वर्ग की कार्य क्षमता उसका उत्साह कल्पनायें और उसकी अभिलाषायें उच्च स्तर की होती है इनको सही दिशा प्रदान करने के लिए विद्यालय स्तर से ही शैक्षिक निष्पत्ति को ध्यान दिया जाना आवश्यक है। चूँकि विद्यालय का प्रदान प्राचार्य होता है अतः उसे हम सेवाओं व कार्यक्रमों के प्रति सजग रहना चाहिये। किशोरावस्था में विद्यार्थी की भावात्मक विकास के विभिन्न आयामों को पहचान कर इससे उत्पन्न होने वाली भावनाओं, संवेगों तथा सह संबंधित व्यवहारगत अभिव्यक्ति को उचित दिशा प्रदान की जा सकती है। वर्तमान समय में विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र शक्ति, दिशा ग्रस्ति तनाव ग्रस्त लक्ष्य रहित, गतिविधियों में लिप्त है। इससे बचने का एक मात्र उपाय विद्यार्थियों की शैक्षिक निष्पति है जिससे उनका स्तर ज्ञात हो जाता है।

शब्दावली: कस्तूरबा गाँधी योजना, मानसिक स्वास्थय

Copyright to IJARSCT
www.ijarsct.co.in

DOI: 10.48175/568